FACULTY OF STUDIES
BSF Academy, Tekanpur
Phone 07524-274100, 200, 300/ Extn 321

प्रेस विज्ञप्ति

संख्या– 1052/प्रेसनोट/अ0सं0/2017/2946–70 *25–03–2017*

सीमा सुरक्षा बल के सहायक कमाडेंट (सोधी भर्ती) बैच –40 एवं सहायक कमांडेंट (विभागीय) बैच – 10की दीक्षांत परेड समारोह

टेकनपुर। 25 मार्च 2017 को सीमा सुरक्षा बल अकादमी में सहायक कमाण्डेंट (सोधी भर्ती) बैच –40 एवं सहायक कमांडेंट (विभागीय) बैच –10 की दीक्षांत परेड का भव्य आयोजन किया गया। इस पासिंग आउट में माननीय श्री राजनाथ सिंह जी, (केन्द्रीय गृहमंत्री,) मुख्य अतिथि थे। मुख्य अतिथि महोदय ने सबसे पहले अजेय प्रहरी शहीद स्मारक पर जाकर पुष्पचक्र एवं श्रद्धांजलि अर्पित की। तदोपरान्त परेड ग्राउंड पहुंचकर परेड की सलामी ली और परेड का निरीक्षण किया। इस भव्य परेड में कुल 67 प्रशिक्षु राजपत्रित अधिकारियों की 02 प्लाटूनों ने मुख्य अतिथि को सलामी देते हुये शानदार परेड का प्रदर्शन किया। परेड की कमाण्डर प्रशिक्षु सहायक कमाण्डेंट सुश्री तनुश्री पारीख थी जोकि सीमा सुरक्षा बल की पहली महिला सहायक कमाण्डेंट होने का गौरव प्राप्त हैं। उन्होनें तथा सभी प्रशिक्षु राजपत्रित अधिकारियों ने मुख्य अतिथि महोदय के समक्ष देश के संविधान के प्रति एकता, अखण्डता एवं सम्प्रभुता को बनाये रखने के लिये अपने आपको समर्पित करने की शपथ ली।

दीक्षांत परेड समारोह में श्री सुनील कुमार वर्मा, ए0डी0जी0 निदेशक अकादमी सीमा सुरक्षा बल टेकनुपर ने अपना स्वागत भाषण में माननीय श्री राजनाथ सिंह जी, गृह मंत्री भारत सरकार, श्री के0 के0 शर्मा, महानिदेशक सीमा सुरक्षा बल एवं उपस्थित अतिथि –गण,अधिकारी –गण, सीमा सुरक्षा प्रहरियों, पत्रकार वर्ग, देवियो एवं सज्जनो को धन्यवाद देते हुये कहा कि हमारे लिये यह अपार हर्ष एवं गौरव का अवसर है कि दीक्षांत परेड समारोह में माननीय श्री राजनाथ सिंह जी, केन्द्रीय गृहमंत्री मुख्य अतिथि के रूप उपस्थित हैं, और कहा सीमा प्रहरियों से विशेष आत्मीयता तथा उनकी सुख–सुविधाओं एवं कल्याण का हमेशा ध्यान रखने वाले व उनकी समस्याओ के समाधान में सदैव तत्पर माननीय श्री राजनाथ सिंह जी, का मैं बी0एस0एफ अकादमी परिवार की तरफ से इस समारोह में हृदय से स्वागत करता हूँ, और कहा कि महोद्य हम आपकी उपस्थिति से गौरवांन्वित अनुभव कर रहे है, आपने अपने व्यस्तमम कार्यक्रम के बावजूद अपना बहुमूल्य समय निकालकर दीक्षांत परेड के इस महत्वपूर्ण अवसर को प्राथमिकता दी। यह आपका प्रहरियों के प्रति अपार प्रेम एवं स्नेह का प्रतीक हैं। और महोद्य यहॉ ये बताते हुए मुझे बड़ी खुशी हो रही है कि सीमा सुरक्षा बल की सामन्य ड्यूटी की प्रथम महिला अधिकारी सुश्री तनुश्री पारीख भी अपने 52 सप्ताह के कठिन तथा चुनौती पूर्ण प्रशिक्षण के बाद आज '' पास–आउट'' हो रही हैं, और हम आपको विश्वास दिलाना चाहते है कि ये प्रशिक्षु अधिकारी अनुशासन की परिधि में रहते हुए सीमा सुरक्षा बल के आदर्श वाक्य यानि '' जीवन पर्यन्त कर्तव्य'' को चारितार्थ करने में सदैव सक्षम होगें।

इसके बाद प्रशिक्षण के दौरान विभिन्न विषयों में अव्वल आये प्रशिक्षु अधिकारियों को मुख्य अतिथि महोदय ने अपने कर कमलों से ट्राफियां प्रदान कीं:–

सहायक कमाण्डेंट (सीधी भर्ती)

क्र.सं.	ट्राफी का नाम	प्रशिक्षु
1	स्वॉर्ड ऑफ ऑनर (ऑल राउण्ड बैस्ट ट्रेनी)	श्री रवि प्रकाश
2	ग्रह मंत्री ट्राफी (आउटडोर विषयों में श्रेष्ठ)	श्री टोखये जैड वोस्टा
3	निदेशक सीसुबल ट्राफी (इनडोर विषयों में श्रेष्ठ)	श्री रवि प्रकाश
4	निदेशक सीसुबल ट्राफी (निशानेबाजी में सर्वश्रेष्ठ)	श्री आशीष रंजन
5	निदेशक सीसुबल बैटन (ड्रिल में सर्वश्रेष्ठ)	सुश्री तनुश्री पारीख

नोट – प्रकाशन करते समय कृपया अधिकारियों के नाम, पद व रैंक का विशेष ध्यान रखा जाय।

सहायक कमाण्डेंट (विभागीय भर्ती)

1	स्वॉर्ड ऑफ ऑनर (ऑल राउण्ड बैस्ट ट्रेनी)	श्री अभिजीत आनंद
2	ग्रह मंत्री ट्राफी (आउटडोर विषयों में श्रेष्ठ)	श्री राकेश सिंह शेखावत
3	निदेशक सीसुबल ट्राफी (इनडोर विषयों में श्रेष्ठ)	श्री अभिजीत आनंद
4	निदेशक सोसुबल ट्राफी (निशानेबाजी में सर्वश्रेष्ठ)	श्री राकेश सिंह शेखावत
5	निदेशक सीसुबल बैटन (ड्रिल में सर्वश्रेष्ठ)	श्री अभिजीत आनंद

दीक्षांत परेड पर निदेशक महोद्य के स्वागत भाषण के उपरांत मुख्य अतिथि माननीय श्री राजनाथ सिंह जी, (केन्द्रीय गृहमंत्री भारत सरकार) ने अपना संबोधन शुरू करते हुए सबसे पहले श्री के0 के0 शर्मा, महानिदेशक सीमा सुरक्षा बल ,श्री सुनील कुमार वर्मा, निदेशक सीमा सुरक्षा बल अकादमी एवं समस्त अधिकारी–गण, अनुदेशकों की टीम, मीडिया परिवार तथा प्रशिक्षुओं के अभिभावकों को धन्यवाद प्रेषित किया और शानदार पासिंग आउट परेड लिये हार्दिक बधाई दी। और कहा कि आज की यह दीक्षांत परेड सीमा सुरक्षा बल के अनुशासन व व्यावसायिक उत्कृष्टता की जीता जागता उदाहरण हैं, और आज से यह प्रशिक्षु अधिकारी पासिंग आउट होने के बाद देश की सुरक्षा में अपना अहम योगदान निभाएंगे, जिसके लिए इन्होंने कठिन प्रशिक्षण एवं शपथ ली है, और हमारे लिये यह गर्व की बात है कि राष्ट्रीय सुरक्षा में समर्पित सीमा सुरक्षा बल बेहतरीन कार्य करते हुए हमेशा देशवासियों की आकांक्षाओं एवं उम्मीदों पर खरी उतरी है। देश की सर्वोत्तम अकादमीयों में गिनी जाने वाली इस अकादमी ने पिछले 05 दशकों में हजारों ऐसे युवा एवं होनहार अधिकारी प्रशिक्षित करके इस बल को दिये हैं, जो निरंतर बहादुरी और मानवता की मिसाले कामय करते आ रहे हैं। यह देश उनके अनुकरणीय कार्यो व सर्वोच्च बलिदानों के प्रति हमेशा नतमस्तक रहेगा, और मुझे पूर्ण विश्वास है कि बल की परम्पराएँ और सिद्धांत इन युवाओं अधिकारियों में गर्व की भावना पैदा करेगा और उन्हें अनुशासन के दायरे में रहकर निष्कपट सेवा करने के लिये प्रेरित करता रहेगा।

मुख्य अतिथि ने कहा कि मुझे यह जानकार खुशी हो रही है कि सहायक कमाण्डेंट (सीधी भर्ती) बैच – 40 के अधिकारी एवं सहायक कमाण्डेंट (विभागीय भर्ती) बैच – 10 के अधिकारी सफलतापूर्वक कठिन बुनियादी प्रशिक्षण पूरा करने के उपरांत, राष्ट्र सेवा में कर्तव्य पालन के लिये तैयार हैं। आज का दिन सीमा सुरक्षा बल के लिये विशेष महत्व रखता है क्योंकि सीमा सुरक्षा बल की प्रथम महिला अधिकारी भी अपने मुश्किल बुनियादी प्रशिक्षण के बाद ''पास–आउट'' हो रही ह। आज परेड के दौरान इन अधिकारियों का उत्साह और आत्मविश्वास इस का प्रमाण है कि ये देश सेवा हेतू पूर्ण रूप से तैयार है और यह देश और इसकी सीमायें इनके हाथों सुरक्षित रहेगा, मुझे इस बात का पूर्ण विश्वास है।

मुख्य अतिथि ने कहा कि जैसा कि हम सभी जानते है कि आज समूचा विश्व आतंकवाद के संकट से जूझ रहा है। आतंकवाद का रोज बदलता चेहरा, सुरक्षा बलों के लिए नित नई चुनौतियॉ प्रस्तुत कर रहा है। हमारे देश भी इससे अछूता नहीं हैं। सीमा सुरक्षा बल ने, हर जगह इसका सफलतापूर्वक मुकाबला किया है और इसको समाप्त करने में अपना सक्रिय योगदान दिया है। मुझे पूरा विश्वास है कि अकादमी में दिया गया प्रशिक्षण आपको अपने कर्तव्यों का पालन करने में सहायक होगा। कई बार परिस्थितियॉ आपके अनकूल नहीं होगी और आपको आत्मनियंत्रण के साथ निर्णय लेना होगा। आपको मानवीय मूल्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी होगी। ऐसी स्थिति में आपकी नेतृत्व क्षमता दॉव पर होगी। मुझे विश्वास है कि इन विषम परिस्थितियों मं भी आप अपनी सूझ–बूझ का परिचय देते हुए सौंपे गए दायित्व कों बखूबी निभायगें। देश के कुछ लोगो को ही इस प्रकार का गौरव एवं नेतृत्व करने का अवसार प्राप्त होता है और आप उनमें से एक हैं।

और कहा कि सीमा सुरक्षा बल, देश के सर्वोत्तम सुरक्षा बलों में स एक है जिसने 1971 के युद्ध में अपनी अमिट छाप छोड़ी है। आज इससे विश्व के सबसे बड़े सीमा सुरक्षा बल होने का सम्मान भी प्राप्त है। इस बल ने तमाम मुश्किलों के बाद भी बेहतरीन परिणाम दिए हैं अतः आपको सीमा सुरक्षा बल के सदस्य होने पर गर्व होना चाहिए।

यह मेरे लिए हर्ष का विषय है कि मुझे मुख्य अतिथि के रूप में आप के भव्य दीक्षांत समारोंह में आमंत्रित किया गया है। इस मौके पर, मैं उन अधिकारियों को बहुत–बहुत बधाई देता हूँ जिन्होंने प्रशिक्षण के दौरान सतत कठिन परिश्रम कर विभिन्न पुरस्कार अर्जित किए हैं। साथ ही मै सुश्री तनुश्री पारीख को भी बहुत–बधाई देता हूँ जिनको सीमा सुरक्षा बल की सामान्य ड्यूटी की प्रथम महिला अधिकारी होने का गौरव प्राप्त हुआ हैं। और मुख्य अतिथि ने

,प्रशिक्षु अधिकारियो के माता–पिता व अभिभावकों को विशेष रूप से बधाई दी, जिनके प्रोत्साहन व सर्मपण से आज ये इस मुकाम पर पहुँच पाये हैं।

अंत में माननीय गृहमंत्री महोद्य जी ने एकबार पुनः इस दीक्षांत परेड में उपस्थित सीसुबल के सभी कार्मिकों, प्रशिक्षु अधिकारियों, उनके अभिभावकों एवं मीडिया कार्मिकों को धन्यवाद दिया, और अपना संबोधन जय हिन्द के साथ समाप्त किया।

सहायक कमाण्डेंट (सीधी भर्ती) बैच के 52 सप्ताह एवं सहायक कमाण्डेंट (विभागीय) बैच नं0 28 सप्ताह के के कठिन प्रशिक्षण के दौरान् शारीरिक प्रशिक्षण, ड्रिल, हथियार का प्रशिक्षण, युद्ध–कौशल, निशानेबाजी, बिना हथियार लड़ने की कला, विधि व कानून, संचार, मानवाधिकार अधिनियम, पुलिस विषय, सीमाओं पर रोजमर्रा की कार्यवाही, समाज के साथ अच्छे संबंध, आपदा प्रबंधन, मैप रीडिंग, फील्ड क्राफ्ट, फील्ड इंजीनियरींग, सीमा की निगरानी, आतंकवाद व उग्रवादियों से लड़ने जैसे विषयों के साथ कम्प्यूटर प्रशिक्षण, तैराकी और घुडसवारी का भी गहन प्रशिक्षण दिया गया है। ट्रेनिंग के दौरान इनके व्यक्तित्व को संवारने, चरित्र निर्माण तथा नेतृत्व क्षमता को विकसित करने पर विशेष कार्यक्रम चलाये गये हैं। प्रशिक्षण के दौरान 03 सप्ताह का बॉर्डर टूर व एक सप्ताह का एडवंचर टूर भी करवाया गया है।

दीक्षांत परेड के अवसर पर दर्शकों के मनोरंजन के लिए एक शानदार डॉग शो, जांबाज टीम शो व वोल्डस शो का प्रदर्शन किया गया। बीएसएफ बैंड द्वारा ''हम सीमा के प्रहरी सीना तान खड़े, भारत के गौरव की बनकर पहचान खड़े, भारत के हर प्रांत से आये बहादुरों का दल . . . . .'' धुन का प्रदर्शन किया। इन सब आयोजनों को दर्शकों द्वारा खूब सराहा गया। दीक्षांत परेड के अंतिम चरण में प्रशिक्षुओं का देश की सेवा में पहला कदम तीन–तीन की जोड़ियों में ''पीलिंग ऑफ'' एक यादगार प्रदर्शन के साथ सम्पन्न हुआ।

इस दीक्षांत परेड के अवसर पर ग्वालियर से भूतपूर्व निदेशक अकादमी सीमा सरुक्षा बल टेकनपुर के श्री जी0 पी0 भटनागर, डॉ0 इन्द्रजीत नामधारी , नागिरक परिषद ग्वालियर (म0प्र0) एवं डबरा से एस0डी0एम श्री संदीव सम्मानीय अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

इसके अतिरिक्त इस दीक्षांत परेड में ग्वालियर तथा डबरा के सम्मानित अधिकारियों के अलावा श्री के0 के0 शर्मा, महानिदेशक सीमा सुरक्षा बल, श्री सुनील कुमार वर्मा ए0डी0जी0/निदेशक अकादमी, डॉ, एस0 के0 श्रीवास्तव महानिरीक्षक (चिकित्सा)/एम0एस0, श्री घनश्याम शर्मा, उपमहानिरीक्षक, श्री बी0एस0रावत, उपमहानिरीक्षक, श्री ई जे बेनैट, उपमहानिरीक्षक, श्री कैलाश जाट, उपमहानिरीक्षक, श्री एस0 सी0 यादव, उपमहानिरीक्षक व अकादमी के अन्य अधिकारी, अधीनस्थ अधिकारियों और कार्मिकों के अतिरिक्त प्रशिक्षु अधीनस्थ अधिकारियों के परिवारजन भी उपस्थित थे। कार्यक्रम का गरिमामयी संचालन श्री ओ एन मिश्रा, प्राचार्य, बीएसएफ पब्लिक स्कूल द्वारा किया गया।

कमाण्डेन्ट
अध्ययन संकाय

नोट – प्रकाशन करते समय कृपया अधिकारियों के नाम, पद व रैंक का विशेष ध्यान रखा जाय।